Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 26 , 16 अक्टुबर, सोमवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

आप कार्यकर्ताओं ने किया हर्षवर्धन के आवास का घेराव

नई दिल्ली। मेट्रो किराया बढ़ोतरी के मुद्दे को लेकर शनिवार शाम आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के चांदनी चौक से बीजेपी सांसद डॉ. हर्षवर्धन के आवास का घेराव किया। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता गुलाब का फूल लेकर उनसे अनुरोध करने के लिए सांसद के आवास पर पहुंचे थे। पुलिस ने बैरिकेडिंग करके आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को रोक दिया। आपको बता दें कि आम आदमी पार्टी मेट्रो किराया सत्याग्रह के दूसरे चरण के तहत दिल्ली से बीजेपी के सांसदों के पास जा रही है। ''आप' कार्यकर्ता बीजेपी सांसद से ये अनुरोध करने के लिए गए थे कि दिल्ली की जनता ने ही बीजेपी नेताओं को चुनकर संसद में भेजा है, आज दिल्ली की जनता बढ़े हुए मेट्रो किराए को लेकर परेशान है, लिहाज़ा बीजेपी सांसद भी जनता के साथ आकर खड़े हों और मेट्रो का किराया घटवाएं।

दीवाली के पूर्व हवा हुई जहरीली आरके पुरम में पीएम 10 का स्तर पहुंचा 698

नई दिल्ली। राजधानी में पटाखे पर प्रतिबंध के बावजूद हवा जहरीली हो चुकी है। धूलकण (पीएस 10) व सूक्ष्म धूलकण (पीएम 2.5) के स्तर में शनिवार को भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई जिससे साफ है कि ठंड आने के पूर्व ही प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। इसे नियंत्रित रखने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे।आर के पुरम में पीएम 10 का स्तर शनिवार शाम 698 पहुंच गया जबकि सामान्य स्तर 100 है। यहां पीएम 2.5 का स्तर 342 था जबकि सामान्य स्तर 60 है। इसी प्रकार आनंद विहार में पीएम 10 का स्तर 432, पंजाबी बाग में 331 व मंदिर मार्ग पर 214 पाई गई। इसी प्रकार भारत सरकार के अर्थ साइंस मंत्रालय द्वारा संचालिक मानिटरिंग स्टेशन सफर द्वारा राजधानी में चार स्थानों, जिसमें मथुरा रोड, पीतमपुरा, दिल्ली विविद्यालय व एयरपोर्ट शामिल है, पीएम 2.5 के स्तर अत्यंत खराब बताया गया। कुल मिलाकर राजधानी में आठ स्थानों पर वायु प्रदूषण का स्तर बेहद खराब पाया गया जो अक्टूबर महीने के सबसे ज्यादा प्रदूषण स्तर है। इसमें तेजी से गिरावट आना भी संभव है।

महिला डॉक्टर नियुक्त करने के लिए डीसीडब्ल्यू का नोटिस

होलंबी कलां जेजे कालोनी के स्वास्य केंद्र का मामला

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने होलंबी कलां जेजे कालोनी में स्वास्य केंद्र पर महिला डॉक्टर नियुक्त करने के लिए उत्तरी जिला के चीफ डिस्ट्रिक्ट मेडिकल ऑफिसर (सीडीएमओ) को नोटिस जारी किया है। आयोग ने पिछले दिनों इस एरिया में महिला पंचायत प्रोग्राम का आयोजन किया था, जिसमें स्थानीय महिलाओं ने शिकायत दी थी की उनके बी ब्लाक फेज-2 एरिया के स्वास्य केंद्र पर कोई महिला डॉक्टर नहीं है जिस वजह से वे पुरु ष डॉक्टर को अपनी बीमारियों के बारे में नहीं बता पाती हैं।डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति जयहिंद ने पिछले दिनों स्वास्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव को नोटिस जारी किया था जिसके बाद स्वास्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने जिले के चीफ डिस्ट्रिक्ट मेडिकल ऑफिसर को एक महिला डॉक्टर को होलंबी कलां में लगाने के निर्देश दिए थे हालांकि अब तक वहां लेडी डॉक्टर को नहीं लगाया गया है। इसके बाद डीसीडब्ल्यू ने चीफ डिस्ट्रिक्ट मेडिकल ऑफिसर को नोटिस जारी कर सात दिनों में रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। स्वाति जय हिन्द ने कहा की महिला डॉक्टर न होने की वजह से वहां की महिलाओं को काफी परेशानी हो रही है। इसलिए सीडीएमओ को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है कि अभी तक महिला डॉक्टर क्यों नहीं पोस्ट की गई। उन्होंने कहा कि वहां महिला डॉक्टर न होने की वजह से महिलाओं को कई किलोमीटर दूर अस्पताल में जाना पड़ता है।

गरीब बच्चों के लिए स्कूल संगठन ने मांगा सरकार से पैसा

नई दिल्ली। दिल्ली के निजी स्कूलों के एक संगठन ने सरकार से मांग की है कि वह निम्न आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) व वंचित समूह श्रेणी के बच्चों की कॉपी, किताब, जूते, लेखन सामग्री व गर्मी-सर्दी के कपड़ों के खर्च के लिए धन जारी करे। दिल्ली स्टेट पब्लिक स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष आरसी जैन का कहना है कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) में निम्न आय वर्ग (ईडब्ल्यूएस) बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने के साथ शैक्षणिक सामग्री और यूनिफार्म देने का प्रावधान किया गया है, जिसमें शैक्षणिक सामग्री और ड्रेस का खर्च राज्य सरकार को देना होता है।

गुजरात में योगीः

हिंदू कोई कार्ड नहीं, यह देश का प्राण है, इसके बिना शरीर की कल्पना नहीं'

गुजरात दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात को खारिज कर दिया कि गुजरात में सत्तारूढ़ भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में जीत के लिए 'हिंदू कार्ड' खेल रही है। उन्होंने शनिवार को कहा, हिंदू को कार्ड कहना गलत है। गुजरात में चुनाव प्रचार कर रहे योगी ने शनिवार को स्वामीनारायण मंदिर में दर्शन के बाद पत्रकारों से कहा कि 'हिंदू कोई कार्ड नहीं है। यह तो एक संस्कृति है। यह इस देश का प्राण है जिसके बिना शरीर की कल्पना नहीं की जा सकती।' योगी ने कहा कि भाजपा प्रत्येक नागरिक के सुरक्षा और विकास की चिंता करती है। राष्ट्रवाद और विकास हमारी विचारधारा के दो पहिये हैं। योगी ने कांग्रेस और इसके नेतृत्व को आड़े हाथ लेते हुए यह भी कहा कि गुजरात के विकास मॉडल की आलोचना करने का उन लोगों (कांग्रेस) के पास कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि देश गरीबी, आतंकवाद और नक्सलवाद का सामना कर रहा है, तो कांग्रेस को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाए।

कांग्रेस ने उठाया बच्चों की मौत का मामला

कांग्रेस ने गोरखपुर के सरकारी अस्पताल में समुचित उपचार नहीं होने से 175 बच्चों की मौत होने का दावा किया। यूपी कांग्रेस प्रमुख राज बब्बर ने दावा किया, एक ओर बच्चे मर रहे हैं वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुजरात गौरव यात्रा निकालकर भाजपा का चुनावी बिगुल फूंक रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले तीन माह में बीआरडी अस्पताल में करीब 1000 बच्चों की जान जा चुकी है।

पटना टू दिल्लीः

एक्सप्रेस-वे का सपना पूरा करेंगे नितिन गडकरी

मोकामा। दिल्ली-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से पटना जुड़ जाएगा। इससे जीटी रोड के अलावा भी वाया गाजीपुर दिल्ली के लिए एक नया सड़क मार्ग खुल जाएगा। केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी घोषणा शनिवार को मोकामा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए विभिन्न परियोजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम में की। उन्होंने कहा कि पटना-बक्सर के बीच बन रही फोर लेन सड़क को गाजीपुर तक बढ़ाया जाएगा। यही सड़क गाजीपुर से लखनऊ के बीच छह लेन की बन रही है, जो दिल्ली-लखनऊ एक्सप्रेस वे से जुड़ेगी।

लेकिन इसके लिए राज्य सरकार को पटना-बक्सर सड़क के लिए जमीन अधिग्रहण की समस्या जल्द दूर करनी होगी। इस काम को पूरा करने के लिए नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सहयोग मांगा। उनके इस प्रस्ताव पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हम जमीन अधिग्रहण के लिए हर संभव सहायता करेंगे। सड़क परियोजनाओं से जुड़े जमीन अधिग्रहण के संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इसमें तेजी का हर कदम हम उठाएंगे। लोगों से हाथ जोड़कर प्रार्थना करेंगे कि जमीन दें।

पैकेज से मिला एक-एक पाई बिहार में होगा खर्च

केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिहार के लिए जिस पैकेज की घोषणा की थी, उसमें 55 हजार करोड़ मेरे मंत्रालय से है। इसका एक-एक पैसा बिहार में खर्च होगा। पटना-बक्सर फोर लेन की चर्चा करते हुए गडकरी ने कहा बिहटा से शिवाला के बीच चौदह किमी एलिवेटेड सड़क के निर्माण की योजना पर सहमति है। यह बिहटा में बन रहे नए एयरपोर्ट के लिए भी नयी कनेक्टिवटी होगी।

हॉलिडे पैकेज के नाम पर आठ लाख की ठगी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा में एक शख्स ने हॉलिडे पैकेज उपलब्ध कराने के नाम पर उससे आठ लाख रुपए की ठगी करने का केस दर्ज कराया है। पीड़ित का नाम राणा प्रताप बाग निवासी दिनेश जैन है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चिल-पिट हॉलिडेज कम्पनी के मालिक संदीप लोहचब के खिलाफ ठगी का केस दर्ज किया है। पीड़ित के मुताबिक उन्होंने सपरिवार मॉरिशस में छुट्टी मनाने के लिए रोहिणी सेक्टर-11 में उक्त टूर एंड ट्रैवल कम्पनी से सम्पर्क किया था, लेकिन पीड़ित से आठ लाख रु पए का अग्रिम भुगतान प्राप्त कर टूर एंड ट्रैवस कम्पनी का मालिक कार्यालय में ताला जड़कर फार है। केस दर्ज कर दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा छानबीन कर रही है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के एक अधिकारी के मुताबिक दिनेश जैन ने सपरिवार मॉरिशस में छुट्टी मनाने का मन बनाया था। वह परिवार के दस लोगों के साथ छुट्टिया बिताने मॉरिशस जाने वाले थे। इसके लिए उन्होंने 24 अगस्त को रोहिणी सेक्टर-11 स्थित चिल-पिट हॉलिडेज कम्पनी से सम्पर्क कर बताए गए बेहतरीन पैकज का चुनाव कर कम्पनी के खाते में पहले 3 लाख 30 हजार रुपए का चेक से भुगतान किया।

अर्धवार्षिक परीक्षा न दे पाने वाले छात्रों को फि से अवसर

नई दिल्ली। बीमारी या अन्य कारणों से अर्धवार्षिक परीक्षा में न बैठ पाने वाले छात्रों को एक और अवसर दिया जाएगा। यह सुविधा राजकीय व राजकीय सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों के लिये शुरू की गई है, जिसमें उसी पैटर्न पर फि से परीक्षा देने का अवसर मिलेगा। नियमत: अर्धवार्षिक परीक्षा में बैठना प्रत्येक बच्चे के लिए अनिवार्य है, क्योंकि इस परीक्षा केअंक वार्षिक परीक्षा में जुड़ते हैं। शिक्षा निदेशालय की ओर से निर्देश जारी कर इन बच्चों की पुन: परीक्षा 23 अक्टूबर को आयोजित करने को कहा है। स्कूलों को इस परीक्षा में बैठने वाले छात्रों का रिकॉर्ड मेनटेन करने को भी कहा गया है। निदेशालय ने कहा है कि स्कू लों में हो रही इस परीक्षा के प्रश्नपत्र का पैटर्न व पाठ्यक्रम बिल्कुल पूर्व में संपन्न हुई अर्धवार्षिक परीक्षा की भांति ही होना चाहिए।

बगैर कारोबार व्यापारियों को चुकाना पड़ा जीएसटी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखे की बिक्री पर प्रतिबंध लगाए जाने की वजह से पटाखा कारोबारियों को जीएसटी के रूप में लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। पटाखा कारोबारियों के अनुसार उन्होंने माल खरीदने के साथ ही सरकार को जीएसटी के रूप में 28 फीसद राशि का भुगतान कर चुके हैं। अब जब कारोबार ही बंद हो गया है तो फि र कारोबारियों को जीएसटी की रकम कैसे वापस मिलेगी।यर वर्क ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि पटाखा खरीदने के साथ ही कारोबारियों ने सरकार को जीएसटी का 28 फीसद अदा कर दिया। जीएसटी का यह पैसा पटाखा खरीदने वाले उपभोक्ताओं से कारोबारियों को मिलता, लेकिन जब कोर्ट ने कारोबार ही बंद कर दिया है तो अब जीएसटी का पैसा कौन वापस देगा। उन्होंने बताया कि औसतन एक कारोबारी ने पांच लाख रुपए के पटाखे खरीदे हैं, जिसके बदले उन्होंने लगभग 1.40 लाख रुपए बतौर जीएसटी सरकार को दिए हैं। पटाखे की बिक्री की अनुमति नहीं मिलने के बाद हताशा में आत्महत्या करने की कोशिश करने वाले सदर बाजार निष्काम वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरजीत सिंह छाबड़ा ने कहा कि जब कारोबार पर प्रतिबंध लग गया है तो फि सरकार को चाहिए कि जीएसटी का पैसा हमें वापस करे, क्योंकि हम तो कोई कारोबार कर ही नहीं रहे हैं तो फि र जीएसटी किस कारोबार के बदले दें। हरजीत पटाखों की बिक्री पर बैन लगाने के बाद शनिवार को सदर बाजार में अपनी दुकान के बाहर धरने पर बैठे। उन्होंने बैनर लगा रखा है, जिस के माध्यम से वह सवाल पूछ रहे हैं कि ''हटाया क्यों/हमें फंसाया क्यों''। इसके अलावा बैनर पर लिखा हुआ है, ''दिवाली पर पटाखे नहीं चलेंगे तो दिवाली पर शराब भी नहीं बिकने देंगे।' इसके साथ ही यह भी लिखा हुआ है कि ''पटाखों से नहीं, नशे से मर रहे हैं लोग।' उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग काली दिवाली मना रहे हैं।

एक साल तक गोदाम में पटाखा रखने का किराया एक लाख :

फायर वर्क ट्रेडर्स एसोसिएशन के अनुसार पटाखे का कारोबार सीजनल है। सीजन समाप्त होने के बाद इसे कोई मिट्टी के भाव भी नहीं खरीदेगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता के अनुसार पांच लाख के पटाखे को गोदाम में एक साल तक रखने के लिए दुकानदारों को करीब एक लाख किराया चुकाना पड़ेगा। इसके बाद भी अगले साल फि से हमें पटाखा बेचने की अनुमति मिलेगी या नहीं, कुछ नहीं कहा जा सकता है। पटाखा कारोबारी करेंगे आंदोलन !: पटाखा कारोबारी सरकार पर दबाव बनाने के लिए बड़े स्तर पर आंदोलन करने की तैयारी कर रहे हैं। कारोबारियों ने कहा कि इसके लिए हम लोग रविवार को मीटिंग करेंगे, जहां आंदोलन किए जाने की रणनीति पर फैसला लिया जाएगा। छोटे पटाखा व्यापारियों को काफी नुकसान होगा : गोयल : संसदीय कार्य राज्य मंत्री विजय गोयल से शनिवार को चांदनी चौक के पटाखा विक्रेताओं ने भेंट की और उनसे सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखा बिक्री में लगाए गए प्रतिबंध के बारे में चर्चा की। पटाखा कारोबारियों से मिलने के बाद गोयल ने कहा कि इस प्रतिबंध से छोटे व्यापारियों को बहुत दु:ख पहुंचा है और उन्हें इससे काफी नुकसान का सामना करना पड़ेगा।

यहां लाठी नहीं सांप ही टूट गया, जानें ज़्या है पूरा मामला

मदन जैड़ा। यह कहावत तो आपने सुनी ही होगी कि सांप भी मर जाए और लाठी भी नहीं टूटे। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि लाठी की जरूरत भी नहीं पड़ती और सांप मर जाता है। जी हां, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा बनाए गए सांप रोबोट (स्नेक रोबो) के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। यह रोबो अपने प्रदर्शन के दौरान ही टूट गया।

चेन्नई की घटना

चेन्नई के अन्ना विश्वविद्यालय परिसर मे चल रहे भारत विश्व विज्ञान मेले में डीआरडीओ की तकनीकों की विशाल प्रदर्शनी लगी है। इसी में एक स्टॉल डीआरडीओ द्वारा बनाए गए रोबोट का है। बेंगलूर में डीआरडीओ के सेंटर फॉर आर्टीफि शियल इंटेलीजेंस एंड रोबोटिक्स केंद्र है।

उसी ने यह प्रदर्शनी लगाई है। इनमें कई किस्म के रोबोट प्रदर्शित किए गए हैं। स्नेक रोबोट उनमें से एक है।

सांप की तरह चलता है

स्नेक रोबोट की नकल सांप से की गई है। यह सांप की तरह चलता है। इसमें कैमरा और जीपीएस सिस्टम लगा है। रिमोर्ट और जीपीएस दोनों तरीकों से यह चलता है।

स्नेक रोबोट लोगों के आकर्षण का केंद्र है। डीआरडीओ की टीम स्नेक रोबोट को चला कर लोगों खासकर स्कूली बच्चों को दिखा रहे हैं कि किस प्रकार यह रोबोट नालियों आदि में चलकर जानकारियां जुटा सकता है।

अचानक टूट गया

डीआरडीओ के लोगों को उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा जब स्नेक रोबो पलटी खाने के बाद अचानक गर्दन के करीब से टूट गया। इसके ज्वाइंट खुल गए और प्रदर्शन के अयोग्य हो गया।

इसके बाद वहां मौजूद डीआरडीओ के लोगों ने इसे उठाकर बक्से में बंद कर दिया और कहा कि मरम्मत के बाद लाएंगे। वैसे तो मशीन कोई भी खराब हो सकती है लेकिन देश की रक्षा के लिए शोध कर रहे संगठन के रोबोट में यदि इस प्रकार की खामियां होंगी तो ऐसे उपकरणों पर कैसे भरोसा किया जा सकेगा। आपको बता दें कि पिछले दिनों देश में बने गोलाबारूद तोप की बैरल के भीतर ही फट गए थे। अब डीआरडीओ के ऐसे रोबोट को किसी अभियान पर भेजा जाएगा तो जरूरी नहीं कि वह लौटकर आए।

स्नेक रोबोट की नकल सांप से की गई है। यह सांप की तरह चलता है। इसमें कैमरा और जीपीएस सिस्टम लगा है। रिमोर्ट और जीपीएस दोनों तरीकों से यह चलता है।

रंजिशन दो भाइयों को मारी गोली, एक की मौत

बाहरी दिल्ली के कंझावला थाना इलाके में पुरानी रंजिश के चलते कुछ युवक दो भाइयों को गोली मारकर फ़रार हो गए। वारदात की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे का उपचार जारी है। मृतक का नाम कंझावला निवासी सुमित (28), जबकि उसके घायल भाई का नाम सज्जन है। मृतक शादी शुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। केस दर्ज कर पुलिस बदमाशों की तलाश में है। पुलिस के मुताबिक वारदात शुक्रवार देर रात की है।

प्रसंग में आई लड़की से दुष्कर्म के आरोप में जैन मुनि शांतिसागर गिरफ्तार,

सूरत। गुजरात के सूरत में 19 साल की एक युवती के साथ एक जैन मुनि के दुष्कर्म के आरोपों की शनिवार को मेडिकल जांच में पुष्टि हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 45 साल के जैन मुनि शांतिसागर (णमोकार वाले बाबा) को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है। मूल रूप से मध्य प्रदेश की निवासी यह युवती वडोदरा में रहती है। उसने सूरत के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिख कर आरोप लगाया कि जैन मुनि ने एक अक्टूबर को सूरत के नानपुरा टीमलियावाड में उससे दुष्कर्म किया था। वह वहां अपने परिजनों के साथ उनके पास धार्मिक प्रसंग में आई थी। जैन मुनि इन दिनों सूरत में चातुमार्स कर रहे हैं। जैन मुनि ने छात्रा को धार्मिक क्रिया के लिए रात में रुकने को कहा। इस दौरान उन्होंने छात्रा के साथ जबरदस्ती की। इस संबंध में शुक्रवार को ही यहां अठवा थाने में मामला दर्ज किया गया था। युवती की यहां न्यू सिविल अस्पताल में मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हो गई। उधर, दिगंबर जैन समुदाय से संबंधित इस साधु को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाने के बाद हिरासत में ले लिया। सूरत के जैन समुदाय के कुछ संगठनों ने उक्त साधु के समर्थन में यहां प्रदर्शन भी किया। सिविल में कल होगा पोटेंसी टेस्ट सिविल में मुनि का पोटेंसी टेस्ट अभी नहीं हो सका। इसके लिए सोमवार को पुलिस फि र मुनि को फोरेंसिक लैब में जांच के लिए ले जाएगी। पोटेंसी टेस्ट से पौरुष शक्ति का परीक्षण होगा।

जैन समाज ने कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन, लिखा- झूठी है लड़की

जैन मुनि पर आरोप के खिलाफ शनिवार को सकल दिगंबर जैन समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि लड़की ने जैन मुनि आचार्य शांतिसागर महाराज के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराई है। यह आचार्य और जैन समाज को बदनाम करने की साजिश है। एक अक्टूबर की घटना को लेकर 13 अक्टूबर को शिकायत दर्ज करवाना साजिश है। समाज ने कमिश्नर से मामले की सही व न्यायिक जांच कराने की मांग की है। प्रतिनिधियों ने पुलिस से घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच करने की भी मांग की है। साथ ही लड़की और उनके परिजनों की भी जांच हो, जिससे उनके चरित्र के बारे में दुनिया को पता चल सके।

क्रांति समय

संपादकीय

हिमाचल में चुनाव

मतदाताओं की भी परीक्षा

श्स्त्रद्बह्ल-1चुनाव आयोग ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनावों का बिगुल बजा दिया है। इसके साथ ही राज्य में चुनाव आदर्श आचार-संहिता भी लागू हो गयी है। इस छोटे से खूबसूरत पर्वतीय राज्य में चुनावी गहमागहमी पहले से ही शुरू हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी भी रैली कर चुके हैं, लेकिन चुनाव प्रक्रिया 16 अक्तूबर को अधिसूचना जारी होने के साथ ही शुरू होगी। उसी दिन से उम्मीदवार अपने नामांकन पत्र दाखिल कर पायेंगे। अक्सर दो दलों के बीच ही बंटी रही हिमाचल की राजनीति के लिए इस बार 9 नवंबर की तारीख निर्णायक होगी। उसी दिन राज्य के लगभग 49 लाख मतदाता 23वीं विधानसभा और भावी सरकार के लिए मतदान करेंगे, लेकिन मतदाताओं का फैसला जानने के लिए 18 दिसंबर तक लंबा इंतजार करना पड़ेगा। उसी दिन मतगणना के बाद पता चलेगा कि जनादेश किसके पक्ष में गया। स्वाभाविक ही यह चुनाव पिछले पांच साल से सत्ता पर काबिज वीरभद्र सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के कामकाज पर जनमत संग्रह भी माना जायेगा। भाजपा, वीरभद्र सिंह सरकार की नाकामियां गिनाते हुए सत्ता का जनादेश पाने की कवायद में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

ऐसे में आने वाले दिनों में आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति और भी तेज हो सकती है। वीरभद्र सिंह और प्रदेश अध्यक्ष सुक्खू के बीच टकराव से त्रस्त कांग्रेस ने वीरभद्र को ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर जहां तात्कालिक राहत पा ली है, वहीं इससे भाजपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वैसे वीरभद्र के पुत्रमोह के चलते कांग्रेस में सब कुछ सामान्य रह पायेगा, इसमें शक है। पिछले चुनावों तक भाजपा भी दो दिग्गजों ~ शांता कुमार और प्रेम कुमार धूमल के बीच ही बंटी रही। केंद्र में मोदी सरकार बनने तक माना जाने लगा था कि धूमल, शांता से आगे निकल गये हैं, लेकिन जेपी नड्डा के रूप में अब एक और सत्ता का दावेदार उभर आया है। एक ओर कांग्रेस द्वारा बुजुर्ग वीरभद्र को ही मुख्यमंत्री का दावेदार घोषित करने से भाजपा पर भी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने का दबाव बढ़ गया है, तो वैसा करने के खतरे भी कम नहीं हैं। जिस भी नेता को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जायेगा, उसका विरोधी गुट चुनावी भितरघात में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। अगर भाजपा मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किये बिना ही चुनाव मैदान में उतरने का विकल्प चुनती है तो कांग्रेस को एक और चुनावी मुद्दा मिल जायेगा। कुल मिलाकर 68 सदस्यीय हिमाचल प्रदेश विधानसभा का यह चुनाव बेहद दिलचस्प होने वाला है। जाहिर है, जीत तो एक की ही होगी, लेकिन साफ-सुथरा प्रचार और प्रक्रिया सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी होगी।

जांच पर आंच

सुलझी नहीं आरुषि कांड की गुत्थी

देश के बहुचर्चित आरुषि-हेमराज हत्याकांड में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी हम वहीं खड़े हैं जहां से चले थे। कोर्ट ने भले ही परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर तलवार दंपति को बरी कर दिया है, मगर सवाल वही है कि फिर इस दोहरे हत्याकांड का दोषी कौन है? हालांकि, अदालत ने राजेश तलवार व नूपुर तलवार को साक्ष्यों के अभाव में बरी किया है मगर इसका अभिप्राय- यह नहीं है कि उन्हें निर्दोष करार दिया गया है। बहरहाल, देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसियों में शुमार सीबीआई की विफलताओं में एक कड़ी और जुड़ गई। सवाल उठना लाजिमी है कि वे कौन से साक्ष्य थे, जिनके आधार पर गाजियाबाद की सीबीआई अदालत ने तलवार दंपति को वर्ष 2013 में आजीवन कारावास की सजा दी। यह भी कि वे साक्ष्य उच्च न्यायालय में क्यों नहीं टिक पाये? घटनाक्रम की परिणति हमारी पुलिस, जांच एजेंसियों, व्यवस्था की विसंगति और मीडिया की भूमिका पर सवाल खड़े करती है। जिस तरह का कोलाहल मीडिया ने इस प्रकरण को लेकर मचाया, उसने कहीं न कहीं जांच प्रक्रिया पर दबाव बनाया। मामले को लेकर किताबें लिखी गईं, फिल्म भी बनी, मगर प्रश्न वही है कि इस दोहरे हत्याकांड का दोषी कौन? निश्चित रूप से अदालतें ठोस व तार्किक सबूतों के आधार पर ही न्याय करती हैं। यह इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से फिर साबित हुआ। इस मामले में पहले उ.प्र. पुलिस ने जिस गैर-पेशेवर ढंग से सबूत जुटाये और हेमराज के शव की बरामदगी में जिस तरह लापरवाही की, उससे कई संदेहों को जन्म मिला। जब तक सीबीआई के हाथों में केस आया, साक्ष्यों से खिलवाड़ हो चुका था। वैसे भी राज्य पुलिस की नाकामी के बाद ही सीबीआई को मामला सौंपा जाता है। निःसंदेह साक्ष्य जुटाना सीबीआई के लिए बड़ी चुनौती थी। मगर यही दायित्व ही तो उसे आम से खास बनाता है, जिसमें सीबीआई विफल साबित हुई है। अब भले ही तलवार दंपति दावा कर रहे हों कि उन्हें न्याय मिला है, मगर सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि आरुषि और हेमराज को न्याय कब मिलेगा? हो सकता है कि सीबीआई मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाये, मगर उसके साक्ष्य क्या वहां टिक पायेंगे? सवाल यह भी है कि यदि तलवार दंपति निर्दोष थे तो उन्हें दी गई सजा की भरपाई कैसे होगी? घटनाक्रम का एक निष्कर्ष यह भी है कि देश की पुलिस व राष्ट्रीय जांच एजेंसियों को ऐसे मामलों में जांच के लिए पेशेवर ढंग से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

ज्ञान गंगा/ स्वामी सुखबोधानंद

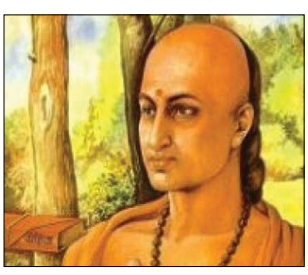

जीत के लिए जरूरी है सही नीति

जीवन में सफलता के लिए सिर्फ कड़ी मेहनत ही आवश्यक नहीं होती बल्कि मनुष्य को देश, काल व परिस्थिति के अनुसार विवाद, विरोध, प्रलोभन और युद्ध जैसी स्थिति के लिए भी तैयार रहना चाहिए। महान कूटनीतिज्ञ आचार्य चाणक्य ने सफलता के लिए कूटनीति के चार प्रमुख अस्त्र बताए हैं, जिनका उपयोग समय और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर करना चाहिए। यदि इन चारों को साध लिया गया तो फिर मनुष्य की जीत सुनिश्चित है। ये चार अस्त्र हैं- साम, दाम, दंड और भेद। जब मित्रता दिखाने (साम) की आवश्यकता हो तो आकर्षक उपहार आतिथ्य, समरसता और संबंध बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए। इससे दूसरे पक्ष में विश्वास पैदा होता है। यदि साम से काम न हो तो दाम यानी प्रलोभन का रास्ता अपनाया जा सकता है। यदि कूटनीति का ये अस्त्र भी विफल हो तो दंड का इस्तेमाल उचित है। इसमें ताकत का इस्तेमाल त्याज्य नहीं है। इसी तरह समय की जरूरत होने पर भेद को भी अपनाना चाहिए। इसमें दुश्मन की सेना, गुट या मंडल व अधिकारियों में फूट डालना, उसके करीबी रिश्तेदारों और उच्च पदों पर स्थित लोगों से उसकी ताकत के राज जानना आदि शामिल हैं। जीत के लिए ये अस्त्र अवश्यमेव हैं।

अब बदल तो रहे हैं राहुल

> तमाम आलोचनाओं के बावजूद एक सच्चाई यह भी है कि बीजेपी को अगर किसी नेता से डर लगता है तो वह राहुल गांधी हैं। राहुल अगर गुजरात की जंग साधने की तैयारी करते हैं, पीएम मोदी पर निशाना साधने के लिए प्रत्यंचा चढ़ाते हैं तो तुरंत उनके खिलाफ अमेठी में मोर्चा खुल जाता है। क्या कारण है कि राहुल अगर गुजरात से पूरे देश में संदेश देना चाहते हैं तो बीजेपी अमेठी से राहुल के खिलाफ संदेश देकर इसकी भरपाई करना चाहती है?

उपेन्द्र राय

की डगर पर चल रहे कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी का मुश्किलों ने कभी पीछा नहीं छोड़ा। राजनीति में उनके सक्रिय रहते हुए कांग्रेस ने केन्द्र में सरकारें तो बनाई, लेकिन उनका राहु काल खत्म नहीं हुआ। उन्हें राजनीति में ''थोड़ा और समय देने', ''अनुभव लेने' और ''पकने तक इंतजार करने' जैसी नसीहतों के साथ सरकार और पार्टी का नेतृत्व करने से दूर रखा गया। इस दौरान घोटालों की सरकार के रूप में अपयश ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी। कांग्रेस और यूपीए में निर्णायक रहे बिना राहुल अपनी धुर विरोधी बीजेपी के हमलों के केन्द्र में रहे। एक ऐसे वक्त में जब वह पार्टी को विपरीत परिस्थितियों में जिंदा रखने की कोशिशों में जुटे हैं, उन्हें परिवारवाद की उपज बताकर मणिशंकर अय्यर ने राहुल के लिए राहु काल की चरम स्थिति पैदा कर दी है।मणिशंकर को पीएमओ में नियुक्ति राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में मिली थी। तभी वह गांधी परिवार के करीब आए। ये गांधी परिवार का आशीर्वाद ही था कि वह नौकरी छोड़कर राजनीतिक सफर पर आगे बढ़ते गए। एक ऐसा समय भी था, जब उनकी गिनती गांधी परिवार के खास दरबारियों में होती थी। शायद इसलिए सोनिया और राहुल के खिलाफ उनकी तीखी भाषा ने सभी को चौंका दिया है- ''कांग्रेस अध्यक्ष या तो मां बनेगी या फिर बेटा। जब कोई प्रत्याशी है ही नहीं तो अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कैसे होंगे' ।राहुल को राजीव गांधी जैसा नसीब नहीं मिला कि पार्टी महासचिव पद पर नया होते हुए भी मां इंदिरा की शहादत के बाद उन्हें सीधे प्रधानमंत्री पद सौंप दिया गया। लेकिन राजीव गांधी का प्रिय बनकर कांग्रेस के सहारे राजनीतिक सफर शुरू करने वाले मणिशंकर अय्यर ने राहुल के साथ ज्यादती कर दी। सोनिया के साथ तो और भी ज्यादा जो लम्बे समय तक पार्टी को दूर से निहारती रहीं, निखारती रहीं। फिर एक समय पार्टी की कमान संभाली। सरकार की कमान संभालने का मौका भी मिला, लेकिन विदेशी मूल के मुद्दे से खुद मणिशंकर भी तब सोनिया को नहीं बचा सके थे। कहते हैं सोनिया ने प्रधानमंत्री पद की ''कुर्बानी' दे दी। राहुल-सोनिया की वेदना यही है कि आज मणिशंकर जैसे नेता को काबू में करने वाला पार्टी में कोई कद्दावर नेता नहीं है। पंजाब, कर्नाटक और हिमाचल के अलावा कोई प्रमुख राज्य हाथ में नहीं है। दिग्विजय सिंह, शीला दीक्षित, जनार्दन द्विवेदी, अभिषेक मनु सिंघवी, मीरा कुमार, अजीत जोगी, हरीश रावत जैसे नेताओं का पार्टी में प्रभाव कम हुआ है। मनीष तिवारी, रणदीप सिंह सुरजेवाला, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे नेताओं में इतना दम नहीं है कि वे मणिशंकर जैसे नेताओं को कंट्रोल में कर सकें। हालांकि अशोक गहलोत, कमलनाथ, गुलाम नबी आजाद में दोनों पीढ़ियों के बीच सेतु का काम करने का माद्दा अब भी दिखता है, तो अहमद पटेल अब भी पार्टी के अहम रणनीतिकार बने हुए हैं। राहुल को कभी आलाकमान की ताकत का इस्तेमाल करने का अवसर नहीं मिला। न वे कभी पार्टी अध्यक्ष रहे न सरकार में कोई मंत्री। लेकिन इसके लिए कोई और नहीं वे खुद जिम्मेदार हैं। राहुल आज जिस तरह सामने से आकर पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं, वैसा उन्होंने पहले कभी नहीं किया। अगर किया होता तो सवाल ही नहीं है कि यूपीए-2 में उन्हें सरकार नेतृत्व का मौका नहीं मिलता। 2014 के आम चुनाव में भी उन्होंने खुद को पीएम उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया। ऐसे में उन्हें मनमोहन सिंह की साख पर दांव खेलता हुआ राजनीतिज्ञ माना गया। सच यह है कि माना ये गया कि मोदी के सामने राहुल को खारिज कर दिया गया है। पार्टी या सरकार का नेतृत्व नहीं करने का खमियाजा राहुल को इस रूप में भुगतना पड़ा है कि यूपीए के घटक दलों ने कभी उन्हें खुलकर अपना नेता नहीं माना। अगर राहुल ये परीक्षा पास कर चुके होते तो आज इतनी दिक्कत नहीं होती। आज भी ये सवाल बना हुआ कि यूपीए के घटक दल उनके नेतृत्व को स्वीकार करेंगे या नहीं। राहुल ने लालू प्रसाद से भी एक दूरी बना ली थी, जो कांग्रेस के एकतरफा समर्थक और बीजेपी के धुर विरोधी रहे हैं।राहुल ने कांग्रेस महासचिव और बाद में पार्टी उपाध्यक्ष के रूप में जो टीम अपने साथ बनाई वह भी वंशवाद से पैदा हुई टीम थी और अपनी चमक लगातार खो रही थी। सच ये है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया को छोड़ दें तो जितिन प्रसाद, सचिन पायलट जैसे युवा नेता भी अपने-अपने राज्यों में खुद को प्रभावी नेता साबित नहीं कर पाए। इन नेताओं से ज्यादा यह राहुल गांधी की असफलता है क्योंकि युवा मामलों का प्रभार रखते हुए भी युवाओं को पार्टी से जोड़ने में नाकाम रहे। इसकी वजह शायद युवाओं के बीच गया यही संदेश था कि राहुल की टीम में योग्यता से ज्यादा पृष्ठभूमि को तरजीह मिलेगी।तमाम आलोचनाओं के बावजूद एक सच्चाई यह भी है कि बीजेपी को अगर किसी नेता से डर लगता है तो वह राहुल गांधी हैं। राहुल अगर गुजरात की जंग साधने की तैयारी करते हैं, पीएम मोदी पर निशाना साधने के लिए प्रत्यंचा चढ़ाते हैं तो तुरंत उनके खिलाफ अमेठी में मोर्चा खुल जाता है। क्या कारण है कि राहुल अगर गुजरात से पूरे देश में संदेश देना चाहते हैं तो बीजेपी अमेठी से राहुल के खिलाफ संदेश देकर इसकी भरपाई करना चाहती है। ऐसा कर बीजेपी मोदी का बचाव भी करती है और राहुल पर हमले को और धारदार बनाती है। गुजरात में दिये राहुल गांधी के तयपरक भाषण की सराहना हो रही है। आम जनता के साथ विश्लेषक भी उनमें झलकी परिपक्वता की सराहना कर रहे हैं। यूट्यूब पर उनके भाषणों की लाइकिंग बेतहाशा बढ़ रही है। इसके पहले राहुल अपने भाषणों में ऐसी कोई चूक अवश्य कर जाते थे कि हंसी के पात्र हो जाते थे। लेकिन गुजरात में राहुल काफी सयाने दिखे हैं।आज भी विदेश में पीएम मोदी के खिलाफ लोग अगर किसी को सुनते हैं तो वह राहुल गांधी ही हैं। यही कारण है कि राहुल के दो हफ्ते के अमेरिका दौरे से सबसे ज्यादा पीड़ा बीजेपी को हो रही थी। राहुल अमेरिका में अकेले मोर्चा थामे हुए थे और उनके खिलाफ भारत में बीजेपी की पूरी टीम। बीजेपी ने चाहे सोशल मीडिया के जरिए राहुल पर निशाना साधने में भले कोई कसर नहीं छोड़ी हो, लेकिन अगर वाकई राहुल इतने कमजोर होते तो बीजेपी को अमेठी में राहुल के खिलाफ डेरा डालने की जरूरत ही क्यों पड़ती? यानी राहुल और कांग्रेस के लिए उम्मीद खत्म नहीं हुई है। पार्टी जिंदा रहेगी तब तो पार्टी में लोकतंत्र की बात हो सकेगी। इस बात को मणिशंकर जैसे नेता नहीं समझ सकते जिन्हें जमीनी सियासत का कोई अनुभव नहीं रहा है। कांग्रेस में आलाकमान संस्कृति रही है। यह तभी मजबूत होगी जब पार्टी के पास दोबारा ताकत आए। उसके बाद आप चाहें तो पार्टी में संस्कृति बदलने की कोशिश कर सकते हैं मगर संकट में आलाकमान को ठेंगा दिखाना मौकापरस्ती है। राजनीति में 2019 और उससे पहले होने वाला गुजरात चुनाव राहुल के लिए अग्निपरीक्षा है। गुजरात चुनाव कांग्रेस जीते या नहीं, मगर कांटे की टक्कर देने में भी अगर वह कामयाब रही, तो पार्टी अपने लिए सोच सकती है। यह उम्मीद अभी बाकी है।

विसंगतियों की आंच

संघीय चरित्र को नष्ट करने का प्रस्ताव

संघीय चरित्र को नष्ट करने का प्रस्ताव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि देश भर में लोक सभा और सभी राज्यों की विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं। चुनाव आयोग ने भी घोषणा कर दी है कि वह अगले साल ऐसा कराने में सक्षम है। चुनाव आयोग ने अपनी ओर से यह घोषणा क्यों की, यह पता नहीं है। निश्चय ही सरकार की ओर से उसे यह पता लगाने के लिए नहीं कहा गया होगा। सरकार ने ऐसा कहा है, तो यह एक बेकार की कवायद है क्योंकि लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराया जाना सिर्फ सरकार और आयोग के बीच का मामला नहीं है। स्वयं चुनाव आयोग ने ही स्पष्ट कर दिया है कि जब तक सभी राजनैतिक दल इसके लिए सहमत नहीं हो जाते, ऐसा नहीं किया जा सकता। जहां तक विभिन्न राजनैतिक दलों के सहमत हो जाने का प्रश्न है, यह संभव दिखाई नहीं देता। केंद्र के साथ-साथ सभी राज्यों में भाजपा की सरकार होती तो शायद इसे संभव किया जा सकता था, हालांकि तब भी गंभीर संवैधानिक बाधाएं रहतीं। इस समय भाजपा बढ़त पर है। यह कब तक टिकेगी, पता नहीं। लेकिन यह मान पाना कठिन है कि कभी वह समय आएगा जबकि देश भर में भाजपा की ही सरकारें हैं। 2019 के लोक सभा चुनाव में मोदी की जीत सौ प्रतिशत पक्की है, यह दावा भी अब कोई नहीं करता। भाजपा के भीतर भी संदेह पैदा होने लगा है, क्योंकि मोदी से जनता का मोहभंग शुरू हो गया है। ऐसी स्थिति में लगता है कि मोदी का समानांतर चुनाव का सपना सपना ही बना रहेगा। समानांतर चुनाव के पीछे एक ही तर्क हो सकता है कि इससे चुनाव पर होने वाला भारी-भरकम चुनाव खर्च बहुत कम हो जाएगा। लेकिन मैं नहीं समझता कि सिर्फ चुनाव खर्च में बचत करने के लिए समानांतर चुनाव का विचार देश के सामने पेश किया गया है। इरादा यह होता तो चुनाव खर्च में कमी लाने के और उपाय भी हैं, जिन्हें आजमाया जा सकता है। फिलहाल स्थिति यह है कि चुनाव खर्च की अधिकतम सीमा सिर्फ उम्मीदवारों के लिए है, राजनैतिक दलों के लिए नहीं। दल चाहे जितना पैसा चुनाव में झोंक सकते हैं। निश्चय ही यह लोकतंत्र विरोधी स्वतंत्रता है। राजनैतिक दलों पर भी अंकुश लगाया जा सकता है कि वे लोक सभा और विधान सभा की एक-एक सीट के लिए चुनाव प्रचार में एक सीमा से अधिक खर्च नहीं कर सकते। उनके खातों की ऑडिटिंग अनिवार्य कर देने से भी उनके अनाप-शनाप खर्च पर कुछ अंकुश लग सकता है। अभी स्थिति यह है कि जिस दल के पास जितना ज्यादा पैसा है, वह चुनाव प्रचार में उतना ही ज्यादा खर्च कर सकता है। यह पूंजीवाद की चुनाव पण्राली है, जिसमें बड़ी मछली छोटी मछली का फर्क बराबर बना रहता है। इससे विभिन्न राजनैतिक दल वैध या अवैध तरीकों से ज्यादा से ज्यादा पैसा बनाने के जुगाड़ में लगे रहते हैं, जिससे राजनीति निश्चित रूप से दूषित होती है। लेकिन लोकतंत्र का उद्देश्य इस विषमता को पाटना है, न कि और चौड़ा करना। इसका सब से अच्छा तरीका यही है कि चुनाव का सारा खर्च सरकार उठाए। फायदा यह होगा कि जो मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए जितना ज्यादा पैसा खर्च कर सकता है, उसके जीतने की संभावना उतनी ज्यादा होगी, यह विसंगति तो मिट ही जाएगी। जब मोदी प्रधानमंत्री बने थे, तब इसकी हलकी-फुलकी चर्चा शुरू भी हुई थी। लेकिन पता नहीं क्यों इस महत्त्वपूर्ण प्रस्ताव को स्थगित कर दिया गया। इसलिए समानांतर चुनाव की कामना के पीछे कुछ और योजना होनी चाहिए। इस मामले में दो संभावनाएं दिखाई पड़ती हैं। एक यह कि सरकार भारत की संघीय पण्राली को कमजोर कर देश का ढांचा एकात्मक शासन वाली बनाना चाहती है। लोक सभा और विधान सभाओं के चुनाव अलग-अलग होते हैं, इसलिए भारत का संघात्मक ढांचा अपने आप स्पष्ट हो जाता है। वस्तुत- भाजपाई दिमाग संघवाद-विकेंद्रीकरण में विास नहीं करता। भारत को राज्यों का संघ (यूनियन ऑफ स्टेट्स, जैसा कि भारत के संविधान में बताया गया है) नहीं मानता। इसे सिर्फ एक इकाई के रूप में देखता है, जिसमें केंद्र का राज्य देश भर में चले। दूसरी संभावना राष्ट्रीय नायक की कल्पना से जुड़ी हुई है। वैसे तो कैबिनेट पण्राली अब कहीं रही नहीं, जिसमें मंत्रालय स्वायत्त होते हैं, जहां-जहां भी संसदीय जनतंत्र है, प्रधानमंत्री एक तरह से राष्ट्रपति की तरह काम करता है। सब से ज्यादा शक्तिशाली होता है, और मंत्रिमंडल तथा पूरी सरकार उसके इशारों पर नाचते हैं। लेकिन देश भर में चुनाव एक साथ होंगे, तब प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार अगर बहुत मजबूत हुआ, तो वह सभी चुनावों को एक साथ प्रभावित कर सकता है। इसका नतीजा निकलेगा कि केंद्र में जिसकी सरकार बनेगी, अधिकांश राज्यों में भी उसी की सरकार बनेगी। कहने की जरूरत नहीं कि यह एकछत्र शासन को अप्रत्यक्ष निमंत्रणहै। इससे नायक पूजा की संस्कृति और मजबूत होगी, जो हमारे यहां पहले से ही कम नहीं है। सो, समानांतर चुनाव का विरोध लोकतांत्रिक राजनीति के हक में है। शुक्र है कि फिलहाल तो यह खामखयाली ही है। पर यह बुरा समय है।

> कहने की जरूरत नहीं कि यह एकछत्र शासन को अप्रत्यक्ष निमंत्रणहै। इससे नायक पूजा की संस्कृति और मजबूत होगी, जो हमारे यहां पहले से ही कम नहीं है। सो, समानांतर चुनाव का विरोध लोकतांत्रिक राजनीति के हक में है। शुक्र है कि फिलहाल तो यह खामखयाली ही है। पर यह बुरा समय है। आज की कौन-सी खामखयाली कल यथार्थ होने के लिए व्याकुल होने लगे, कौन कह सकता है

प्रसंगवश

भारतीय नारी चेतना

गिरीश्वर मिश्र

कस्तूरबाई माखनजी कापड़िया की लाडली कस्तूर की कस्तूरबा गांधी और फिर ''बा' बनने की गाथा से लोग सामान्यत- बहुत परिचित नहीं हैं। गांधी जी से चार साल कम उम्र पाने वाली बा ने तेरह साल की उम्र में जो सफर उनके साथ शुरू किया, वह पूरे साठ साल चला। पोरबन्दर में सीमित से परिवेश में जन्मी और पली-बढ़ी कस्तूर से बा होती कस्तूर का अस्तित्व अपने मोहन (जो आगे चल कर ''महात्मा' हो गया) की बड़ी छाया के नीचे आम तौर पर टिकता नहीं दिखता। सत्रह की होते न होते वह पहली बार मां बनी पर बच्चा जीवित न रहा। जब बीस की हुई तो दूसरी बार मां बनी और गोद में हरिलाल को लिए पति मोहन दास को कानून की पढ़ाई करने के लिए भारी मन से लंदन जाने के लिए विदा किया। अठारह साल के गांधी पूरे तीन वर्ष इंग्लैंड में रह कर बैरिस्टर बन 1891 में भारत लौटे। इस तरह के अलगाव का मौका जल्द ही फिर आया जब दो साल बाद 1893 में गांधी जी वकालत के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका गए। इस बार भी तीन साल बाहर रह कर 1896 में देश वापस लौटे। बार-बार के लंबे अलगाव ने पति-पत्नी के बीच प्यार और आकर्षण को और तीव्र बनाया और जिसके उद्दाम रूप से उबरने की गांधी ने आजीवन कोशिश की। गौरतलब है कि तीव्र यौनिक रु झान से उबरने के लिए गांधी ने अड़तीस की उम्र में ही आगे के जीवन में ब्रह्मचर्य धारण करने की प्रतीज्ञा की और कस्तूरबा ने भी कथित रूप से सहयोग किया (हालांकि स्त्रियों के साथ उनके संबंध और प्रयोग को लेकर तीखी आलोचना भी हुई है, और जो आज के स्त्रीवादी विचारकों के अनुसंधान का विषय बन रहा है)।1897 में गांधी जी दुबारा दक्षिण अफ्रीका गए और इस बार कस्तूरबा भी उनके साथ थीं अपने दो बच्चों के साथ। वहां की जटिल सामाजिक-राजनैतिक परिस्थितियों में भारतीय प्रवासियों के साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ अहिंसात्मक विरोध दर्ज कराने और नागरिक अधिकारों को बहाल करने की मुहिम छेड़ी। घर से बाहर निकल कर कस्तूरबा ने अपने को दृढ़ किया और सामाजिक-राजनैतिक कार्यकर्ता के रूप में गांधी जी के साथ खड़ी हो गई। 1904 में डरबन के पास फिनिक्स आश्रम बनाने और चलाने में पति की मदद की। अफ्रीका में भी दो बच्चे हुए। दोनों के कुल चार पुत्र हुए ~ हरिलाल(1888), मणिलाल (1893), रामदास (1997) और देवदास (1900)। अफ्रीका में रहते हुए कस्तूरबा प्रवासियों के खिलाफ जुल्म के विरोध में गिरफ्तार हुईं। ऐसे भी अवसर आए जब गांधी जी, कस्तूरबा और बच्चे अलग-अलग जेलों में बंद रहे। दक्षिण अफ्रीका की सरकार को अंतत- झुकना पड़ा और भारतीय प्रवासियों के अधिकारों को बहाल करना पड़ा। अहिंसा और सत्याग्रह की इस जीत का श्रेय कस्तूरबा को भी जाता है। अगले साल इंग्लैंड होते हुए 1914 में भारत आने के बाद कस्तूरबा ने आजादी की जंग में हिस्सा लिया। वे ''बा' बनीं।वह गांधी जी के साथ चंपारण भी गई और वहां की ग्रामीण महिलाओं में स्वास्य तथा पढ़ाई के लिए जागरूकता फैलाई। 1922 के बोरसाड के सत्याग्रह में भाग लिया। कई बार जेल गई। 1939 में राजकोट में अहिंसक सत्याग्रह में भाग लिया। 1942 में ''अंग्रेज़ों भारत छोड़ो' के देशव्यापी आंदोलन में गिरफ्तार भी हुई। पुणो के आगा खान पैलेस में देहांत हुआ और जेल में ही उनका दाहकर्म भी किया गया। सच्चे अर्थो में सहधर्मिणी रहीं बा गांधी जी के बाहरी दायरे के विस्तार के साथ घर-परिवार और कुटुम्ब से जोड़ते रहने में बा की विशेष भूमिका थी।गिरिराज किशोर अपनी औपन्यासिक रचना ''बा' में एक प्रसंग उद्धृत करते हैं। ''कस्तूरबा से एक बार पूछा गया कि बापू के ''सत्य के साथ मेरे प्रयोग' में आप कहां हैं?' कस्तूरबा ने कहा, ''मैंने पढ़ी तो नहीं, पढ़ ही नहीं सकती थी। मैं जानती हूं कि उन्होंने अनपढ़ होने का दायित्व दोनों के बीच बांटा है। मैं सजाकर रखी गई एक मूर्ति की तरह, उसमें मौजूद हूं। बापू ने उसमें मेरी सुंदरता का बयान भी किया है, और उपयोग का भी। बड़े दीवान जी के न रहने का कारण मैं ही हूं। बापू ने जो सत्य के साथ प्रयोग किए हैं, उन्हें मैंने भोगा है।' बा कभी-कभी सोचती थीं कि क्या वह बापू के सच को नापने का मापक थीं या माध्यम। जीवन में गतिशील और परिवर्तनकामी गांधी के साथ कदम मिला कर चलना सरल न था। सत्याग्रह, प्यार, समर्पण, त्याग और मौन के रूप में बा महात्मा के व्यक्तित्व में छा गई। मोहनदास के महात्मा गांधी के रूप परिष्कार होने में कस्तूरबा की सेवा, सहिष्णुता, धैर्य की भूमिका नहीं भुलाई जा सकती।

> वा कभी-कभी सोचती थीं कि क्या वह बापू के सच को नापने का मापक थीं या माध्यम। जीवन में गतिशील और परिवर्तनकामी गांधी के साथ कदम मिला कर चलना सरल न था। सत्याग्रह, प्यार, समर्पण, त्याग और मौन के रूप में बा महात्मा के व्यक्तित्व में छा गई

आज गोरखपुर आएंगे योगी आदित्यनाथ, करेंगे तोहफो की बारिश

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दीपावाली के पूर्व एक बार फिर गोरखपुर के दौरे पर आ रहे हैं। लेकिन इस बार वे गोरखपुर एवं कुशीनगर जनपद के लिए दीपावली का उपहार भी साथ ला रहे हैं। चिर प्रतिक्षति फर्टिलाइजर कारखाना का भूमि पूजन करने के साथ ही वे पिपराइच में चीनी मिल निर्माण के लिए शिलान्यास भी करेंगे। इसके अलावा दोनों जिलों के लिए 20 से ज्यादा विकास कायी के निर्माण का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15 अक्तूबर की रात या फिर 16 अक्तूबर की सुबह गोरखनाथ मंदिर आएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 16 अक्तूबर को फर्टिलाइजर कारखाना का भूमि पूजन करेंगे। इसके साथ ही गेल गैस टर्मिनल का भी भूमि पूजन करेंगे। गैस एथारिटी आफ इंडिया (गेल) के प्रबंधक अभिषेक सिंह ने बताया कि गेल गैस टर्मिनल का निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा। असल में फर्टिलाइजर में उत्पादन के लिए बनारस से पाइप लाइन लाई जा रही है जो गैस की आपूर्ति करेगी।

134 करोड़ रुपये से संवारी जाएगी भगवान राम की अयोध्या

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की अयोध्या को संवारने के लिए 18 अक्तूबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 134 करोड़ रुपये की योजनाओं की घोषणा करेंगे। केंद्र सरकार से मिलने वाली इस रकम को भगवान राम के महल, राजा दशरथ के महल और भगवान राम की जल समाधि लेने वाले घाट के जीणोद्धार एवं सौदर्यीकरण पर खर्च की जाएगी।

भगवान राम ने जिस गुप्तार घाट पर जल समाधि ली, आज भी स्थानीय पर्यटक भी अनजान हैं। ऐसे में अयोध्या आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों को रामलाल से जुड़ी कथाएं और स्थलों की जानकारी मुहैय्या कराने की कोशिशों पर काम किया जा रहा है। 19वीं शताब्दी में राजा दर्शन सिंह का बनाए गए गुप्तार घाट और वहां निर्मित विशाल सीता-राम मंदिर का जीणोद्धार पर सरकार 37 करोड़ रपये से ज्यादा की रकम खर्च करेगी। ताकि उसे पुराने आर्किटेक्चर पर ही नए सिरे से बनाया जा सके।

निर्माण के दौरान पर्यटकों की सुविधाओं को भी ख्याल रखा जाएगा। सरयू नदी पर राम की पैड़ी को करीब 12.5 करोड़ खर्च कर नए सिरे से बनाया जाएगा। यहां लाइटें लगाई जाएगी ताकि यह पूरा क्षेत्र जगमग रहे। इसी तरह भगवान राम के निवास स्थान कनक भवन और राजा दशरथ के निवास स्थान दशरथ महल का भी जीणोद्धार करीब 11.5 करोड़ रुपये की रकम खर्च की जाएगी। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जीवन में लक्ष्मण की भूमिका भी कमतर नहीं है। इसलिए सरयू नदी के तट पर बने लक्ष्मण घाट का भी सौंदयीकरण करते हुए उसे नए सिरे से निर्मित किया जाएगा। इस कार्य पर तकरीबन 11 करोड़ रुपये की रकम खर्च की जाएगी।

शहरवासियों और तीर्थयात्रियों के लिए बड़ी योजनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्यावासियों एवं तीर्थ यात्रियों के लिए भी छोटी दीपावली के इस कार्यक्रम में कई बड़ी योजनाओं को एलान करेंगे। दिगम्बर अखाड़ा परिसर में बहुउद्देश्यीय प्रेक्षागृह का निर्माण, राम की पैड़ी, पर्यटकों के ठहरने के स्थल, सुरक्षा की दृष्टि से प्रमुख जगहों को सीसीटीवी से लैस करना, पुलिस बूथों की बढ़ोत्तरी, जगहों के दर्शन के लिए इको फ्रेंडली ट्रांसपोर्ट की सुविधा दी जाएगी। यही नहीं नागरिक सुविधायें जैसे शौचालय, जल

मदरसों को झंडारोहण और राष्ट्रगान से परहेज नहीं- महमूद मदनी

वरिष्ठ संवाददाता, कानपुर

जमीयत उलेमा के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी ने रविवार को कानपुर में मदरसा कॉन्फ्रेंस में कहा की सरकार मदरसों के मामले में दखल न दे। उन्होंने कहा कि सरकार को अगर लगता है कि मदरसों में कोई कमी है तो वह हमें बताएं। कमी होगी तो उसे दूर किया जाएगा या फिर सरकार को समझाया जाएगा कि कोई कमी नहीं है।उन्होंने कहा मदरसों को झंडारोहण और राष्ट्रगान से कोई परहेज नहीं है।

मौलाना मदनी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह सब काम सरकार के इशारे पर नहीं हो रहा है। उन्होने कहा कि यह सब अफसरों के समझने पर किया जा रहा है, सरकार को समझना चाहिए इस भ्रम को दूर किया जाएगा। मदरसों की आंतरिक व्यवस्था में सुधार की जरूरत है।

टीईटी परीक्षा करीब सवा लाख शिक्षामित्रों ने दी, फर्जीवाड़े में एक गिरफ्तार

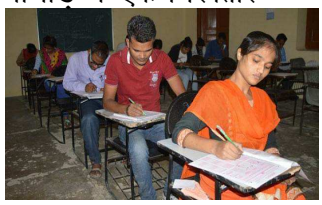

इलाहाबाद। टीईटी परीक्षा के दौरान लखनऊ में फर्जीवाड़े के आरोप में एक युवती पुलिस ने गिरफ्तार किया। युवती बुआ के स्थान पर परीक्षा देने गई थी। रविवार को यूपी-टीईटी 2017 की परीक्षा परीक्षा में लगभग सवालाख शिक्षामित्रों ने भाग लिया। परीक्षा के मद्देनजर केंद्रों पर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 25 जुलाई को 1.37 लाख शिक्षामित्रों का बगैर टीईटी प्राथमिक स्कूलों में सहायक अध्यापक पद पर समायोजन निरस्त कर दिया था। उसके बाद पहली बार टीईटी होने जा रहा है और शिक्षामित्र यह मौका गंवाना नहीं चाहते। प्राथमिक स्तर की परीक्षा के लिए मिले ऑनलाइन आवेदन में आयु व अन्य सूचनाओं की समीक्षा के बाद लगाए जा रहे अनुमान के मुताबिक तकरीबन सवा लाख शिक्षामित्रों ने आवेदन किया है। हर बार प्राथमिक स्तर की परीक्षा के लिए सवा दो से ढाई लाख के आसपास अभ्यर्थी प्राथमिक स्तर की परीक्षा देते हैं। पिछली बार 19 दिसंबर 2016 को आयोजित टीईटी में प्राथमिक स्तर की परीक्षा के लिए 254068 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। जबकि इस बार प्राथमिक स्तर की परीक्षा के लिए आवेदकों की संख्या 349192 है। परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय के सूत्रों की मानें तो आवेदनों की संख्या में जो वृद्धि हुई है, वह शिक्षामित्रों के कारण है।

टीईटी के समय मिले ओएमआर उत्तर पत्रक में गलत सूचना अंकित करने, गलत अनुक्रमांक भरने एवं प्रश्न पुस्तिका सीरीज/भाषा विकल्प/पार्ट-चार (विज्ञान/गणित या समाजिक विज्ञान) के गोले को काला न करने पर उसका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा एवं इस संबंध में किसी भी प्रकार के प्रत्यावेदन विचारणीय नहीं होंगे। इसके लिए आवश्यक है कि अभ्यर्थी परीक्षा के समय प्रश्न पुस्तिका में दिए गए महत्वपूर्ण निर्देशों का अनुसरण करें। ओएमआर उत्तर पत्रक में प्रश्न पुस्तिका सीरीज के कॉलम में काले किए गए गोले के आधार पर ही अभ्यर्थी के ओएमआर उत्तर पत्रक का मूल्यांकन किया जाएगा।

खुशी: दिल का सुराख बंद कर चार बच्चों को दी नई जिंदगी

लखनऊ। लोहिया संस्थान के सीवीटीएस के डॉक्टरों ने चार बच्चों के दिल में बने सुराख को ऑपरेशन के जरिए बंद करने में बड़ी कामयाबी मिली है। इससे जन्म से ही इस बीमारी के कारण जिंदगी की जंग लड़ रहे इन चारों बच्चों को जहां नई जिंदगी मिली है, वहीं उनके घरों में दीपावली की खुशियां दोगुनी हो गई हैं।

बहराइच की जिला टॉपर बेटी भी स्वस्थ

डॉक्टरों के मुताबिक जिन चारों बच्चों का ऑपरेशन हुआ है, उनमें सीतापुर के महमूदाबाद का शिवम (11 वर्ष), बलरामपुर का दिनेश (7 वर्ष), सिद्धार्थनगर का मो. इरफान (7 वर्ष) व बहराइच की गरिमा देवी (17 वर्ष) शामिल है, जो कि यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट बहराइच की जिला टॉपर बताई गई है।

बेहद जटिल थी दिनेश की सर्जरी

डॉक्टरों के मुताबिक सात वर्षीय दिनेश की सर्जरी बेहद जटिल थी। उसके दिल में न सिर्फ छेद था, बल्कि उसके खून की नली में भी सिकुड़न हो गई थी, जिसकी वजह से अशुद्ध खून को लेकर जाने में रुकावट पैदा हो रही थी। सर्जरी के दौरान इस समस्या को भी दूर कर दिया गया। यही नहीं बीमारी के कारण चारों मरीजों का शारीरिक विकास भी रुक गया था। उम्र के अनुसार न तो लंबाई बढ़ रही थी और न ही वजन बढ़ रहा था। डॉ. डीके श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रकार के मरीजों को हमेशा जुकाम, बुखार और सांस फूलने की समस्या रहती है। दीपावली से पहले ये बच्चे अपने घर जा सकेंगे। श्रीवास्तव के मुताबिक बच्चों के दिल में छेद व नसों का नीला पड़ना गंभीर बीमारी है।

दर्दनाक: दोबारा गैंगरेप करने की धमकी पर किशोरी ने लगाई फांसी, अधिकारियों में हड़कंप

बड़ौत। रमाला थाना क्षेत्र के किरठल गांव में शुक्रवार शाम किशोरी द्वारा फांसी लगाकर की गई आत्महत्या के मामले का दर्दनाक पहलू सामने आया है। किशोरी ने परिवार के विवाद के चलते नहीं बल्कि गैंगरेप के आरोपियों द्वारा दोबारा गैंगरेप करने की धमकी के डर से मौत को गले लगाया। परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम करने से इनकार करने पर हरकत में आई पुलिस ने पांचों आरोपियों को शुक्रवार देर रात ही हिरासत में लिया।

समाजवादी छात्रसभा ने लहराया परचम, अवनीश बने छात्रसंघ अध्यक्ष

इलाहाबाद। इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के चुनाव में समाजवादी छात्रसभा ने परचम लहराया है। छात्रसभा के पैनल से चुनाव मैदान में उतरे पांच में से अध्यक्ष समेत चार प्रत्याशियों को विजय हासिल हुई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) को महामंत्री की सीट पाकर ही संतोष करना पड़ा।

अध्यक्ष पद पर समाजवादी छात्रसभा के अवनीश कुमार यादव ने विजय हासिल की है। उन्होंने मृत्युंजय राव परमार को पराजित किया। एबीवीपी की प्रत्याशी प्रियंका सिंह तीसरे स्थान पर रहीं। एनएसयूआई के प्रत्याशी सूरज कुमार दुबे को चौथा स्थान मिला। अवनीश को 3226, मृत्युंजय को 2674, प्रियंका को 1588 और सूरज को 667 मत मिले। उपाध्यक्ष पद भी समाजवादी छात्रसभा के नाम रहा। इस पद पर छात्रसभा के चंद्रशेखर चौधरी ने जीत दर्ज की। एबीबीपी के शिवम कुमार तिवारी दूसरे स्थान पर रहे। एनएसयूआई के विजय सिंह बघेल को तीसरा स्थान मिला। चंद्रशेखर को 2249, शिवम को 2177 और विजय को 1661 मत मिले।

महामंत्री पद पर एबीवीपी के निर्भय कुमार द्विवेदी विजयी हुए। निर्भय को 2132 मत मिले जबकि दूसरे स्थान पर रहे एनएसयूआई के अर्पित सिंह उर्फ राजकुमार ने 2071 वोट पाए। समाजवादी छात्रसभा के रोहित कुमार यादव 1949 मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे। संयुक्त मंत्री पद पर समाजवादी छात्रसभा के भरत सिंह ने जीत हासिल की। उन्होंने आदर्श शुक्ला को पराजित किया। भरत को 2051 और आदर्श को 1421 मत मिले। इस पद पर एबीवीपी के प्रत्याशी प्रदीप कुमार मौर्य 973 मत पाकर पांचवें स्थान पर रहे जबकि एनएसयूआई के प्रत्यूष तिवारी को चौथा स्थान मिला। प्रत्यूष ने 1234 वोट प्राप्त किए। सांस्कृतिक सचिव पद भी समाजवादी छात्रसभा के नाम रहा। इस पद पर अवधेश कुमार पटेल शानू ने विजय पाई। अवधेश को 3801 मत मिले। दूसरे स्थान पर एबीवीपी के अभिषेक कुमार अवस्थी उर्फ कवि दीपक रहे। उन्होंने 2889 मत हासिल किए।

कला संकाय प्रतिनिधि स्नातक के पद पर दिग्विजय सिंह दिग्गी, वाणिज्य संकाय प्रतिनिधि स्नातक के पद पर शिवानंद यादव गुरु, विज्ञान संकाय प्रतिनिधि स्नातक के पद पर सुधांशु जीते हैं जबकि विधि संकाय प्रतिनिधि स्नातक के पद पर गोपाल नाथ कर्ण पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। परास्नातक/शोध प्रतिनिधि कला संकाय के पद पर अभिलाश कुमार ने विजय हासिल की है। प्रतिनिधि विधि के पद पर अवधेश कुमार सिंह और शोध प्रतिनिधि विज्ञान के पद पर सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने जीत दर्ज की।

बिहार

पूर्व हार्डकोर नक्सली को मारी 3 गोली, 10 साल पहले संगठन से हो गया था अलग

हाजीपुर.सदर थाना क्षेत्र के नक्सलियों के गढ़ थाथन बुजूर्ग गांव में अल सुबह बाइक सवार आर्मस से लैस तीन की संख्या में हमलावरों ने पूर्व हार्डकोर नक्सली तारकेश्वर पासवान को गोलियों से छलनी कर दिया। हमलावरों ने ताबड़तोड़ सात राउंड फायरिंग की। 46 साल तारकेश्वर को तीन गोलियां लगी है। गोलीबारी कर हमलावर फिल्मी स्टाइल में पल्सर बाइक से भाग निकले। जख्मी को इलाज के लिए गांव के लोग सदर अस्पताल लेकर आए। उनकी हालत गंभीर देखकर इमरजेंसी के डॉक्टर ने फ़र्सट एड देकर तत्काल पीएमसीएच रेफर कर दिया। शनिवार की शाम में सदर थाना के दो पुलिस पदाधिकारी घायल का बयान लेने पीएमसीएच पहुंचे हैं।

पहले से ही घात लगाकर थे अपराधी

स्थानीय लोगों के मुताबिक कुछ संदिग्ध युवक पिछले कई दिनों से घटनास्थल और आसपास की रेकी कर रहे थे। एनएच 77 किनारे गांव होने के कारण रोड हर समय व्यस्त रहता है। किसी ने इस ओर ध्यान ही नहीं दिया। शनिवार की सुबह करीब चार बजे वे चाय दुकान पर चाय पीने पहुंचे थे। अचानक लाल पल्सर आकर वहां रूकी। उस पर तीन युवक सवार थे। तारकेश्वर चाय दुकान की बेंच पर बैठकर चाय पी रहे थे। ड्राइव कर रहा युवक पल्सर बाइक पर ही बैठा रह गया। दो युवक नीचे उतरा। अचानक कमर से पिस्तौल निकालकर फायरिंग करनी शुरू कर दी।

पीएमसीएच रेफर

हाजीपुर सदर के पुलिस अफसर ने बताया कि थाना के दो पुलिस पदाधिकारी गोली लगने से घायल तारकेश्वर पासवान का बयान लेने पीएमसीएच भेजे गए हैं। उनका बयान आने के बाद ही कुछ बता पाना संभव होगा। पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

पूरी तरह बदल डाली थी अपनी लाईफ स्टाइल

नक्सली गतिविधियों से खुद को अलग कर लेने के बाद तारकेश्वर ने खुद को पूरी तरह बदल डाला था। अपनी घर-गृहस्थी में पूरी तरह रम गया था। अपने समुदाय का वह मांजन भी था। 90 के दशक तक तारकेश्वर का नाम हार्डकोर नक्सलियों की सूची में अहम था। छह से सात लोग संगठन की रीढ़ हुआ करते थे।

इलाके में दिन भर होती रही चर्चा

गांव और आसपास दबी जुबान चर्चा यह भी हो रही है कि पुलिस से नजदीकी तो घटना का कारण नहीं है। बाद कथित रूप से तारकेश्वर पुलिस के नजदीक था। नक्सली संगठन पुलिस का मुखबीर बन जाने की आशंका के कारण संगठन के किसी शार्प शूटर से उसकी हत्या कराने का प्रयास तो नहीं किया।

स्कूल में बनी खिचड़ी में निकले कीड़े, बच्चे मिड डे मील का प्लेट ले पहुंचे थाना

सुल्तानगंज (भागलपुर).नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत मिडिल स्कूल शाहाबाद में शनिवार को बनाए गए एमडीएम में कीड़े देख बच्चे आक्रोशित हो गए और खाने से इंकार कर दिया। बच्चे प्लेट में परोसे गए खिचड़ी को लेकर पूरे गांव में घूम-घूमकर ग्रामीणों को दिखाया। ग्रामीणों ने बच्चों को प्लेट लेकर थाने भेज दिया। थाने में मौजूद एएसआई भोला सिंह ने बच्चों की शिकायत सुनी और नाम लिखकर सभी बच्चों को वापस घर भेज दिया।

मिडिल स्कूल शाहाबाद के बच्चे छोटू, श्रीराम, रवि, सूरज, मिथुन, जयराम, आशीष ने बताया कि अब तक 15 बार भोजन में कीड़े निकल चुके हैं। हेडमास्टर समेत गांव के लोगों को इसकी जानकारी दी गई थी।

पटना टू दिल्ली: एक्सप्रेस-वे का सपना पूरा करेंगे नितिन गडकरी, नीतीश देंगे जमीन

मोकामा। दिल्ली-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से पटना जुड़ जाएगा। इससे जीटी रोड के अलावा भी वाया गाजीपुर दिल्ली के लिए एक नया सड़क मार्ग खुल जाएगा। केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी घोषणा शनिवार को मोकामा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए विभिन्न परियोजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम में की। उन्होंने कहा कि पटना-बक्सर के बीच बन रही फोर लेन सड़क को गाजीपुर तक बढ़ाया जाएगा। यही सड़क गाजीपुर से लखनऊ के बीच छह लेन की बन रही है, जो दिल्ली-लखनऊ एक्सप्रेस वे से जुड़ेगी।

लेकिन इसके लिए राज्य सरकार को पटना-बक्सर सड़क के लिए जमीन अधिग्रहण की समस्या जल्द दूर करनी होगी। इस काम को पूरा करने के लिए नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सहयोग मांगा। उनके इस प्रस्ताव पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हम जमीन अधिग्रहण के लिए हर संभव सहायता करेंगे। सड़क परियोजनाओं से जुड़े जमीन अधिग्रहण के संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इसमें तेजी का हर कदम हम उठाएंगे। लोगों से हाथ जोड़कर प्रार्थना करेंगे कि जमीन दें।

पैकेज से मिला एक-एक पाई बिहार में होगा खर्च

केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिहार के लिए जिस पैकेज की घोषणा की थी, उसमें 55 हजार करोड़ मेरे मंत्रालय से है। इसका एक-एक पैसा बिहार में खर्च होगा। पटना-बक्सर फोर लेन की चर्चा करते हुए गडकरी ने कहा बिहटा से शिवाला के बीच चौदह किमी एलिवेटेड सड़क के निर्माण की योजना पर सहमति है। यह बिहटा में बन रहे नए एयरपोर्ट के लिए भी नयी कनेक्टिवटी होगी।

गोरखपुर-हटिया मौर्या एक्सप्रेस पर पथराव, 5 जख्मी, पैसेंजर्स में दहशत

मुजफ्फरपुर (बिहार). गोरखपुर से हटिया जा रही मौर्या एक्सप्रेस में शरारती तत्वों ने शनिवार दोपहर जमकर पथराव किया। पथराव में एक यात्री बुरी तरह जख्मी हो गया, जबकि चार अन्य को भी चोटें आईं। ट्रेन के जंक्शन पहुंचने पर जख्मी यात्री का रेल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने इलाज किया। ट्रेन पर पथराव होने से सफर कर यात्री काफी देर तक दहशत में रहे।

जख्मी यात्री धीरज कुमार पांडेय सीवान जिले के महाराज का रहने वाला बताया गया है। धीरज ने बताया कि वे सीवान में धनबाद जाने के लिए मौर्या एक्सप्रेस की एस-5 बोगी में चढ़े थे। हाजीपुर से ट्रेन खुलने के बाद भगवानपुर स्टेशन के समीप उनकी बोगी पर अचानक पथराव होने लगा। कई पत्थर खिड़की के रॉड से टकराने लगे। इसी दौरान एक पत्थर उनकी आंख के ऊपर जोर से लगी। बगल में बैठे चार अन्य यात्रियों को भी चोटें आईं। पथराव से डर कर कई महिलाएं सीट के नीचे छुप गईं। मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंचने पर उनका इलाज किया गया।

रेल एसपी बीएन झा ने बताया कि इस प्रकार की घटना को रोकने के लिए विशेष गश्ती अभियान चलाया जाएगा। वहीं शरारती तत्वों पर कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस को पत्र लिखकर सहयोग करने का अनुरोध किया जाएगा।

हाजीपुर रेलखंड बन रहा डेंजर जोन

पत्थरबाजी के कारण हाजीपुर और मोतिहारी रेलखंड डेंजर जोन बनता जा रहा है। शनिवार को मौर्या एक्सप्रेस में पत्थरबाजी की घटना कोई नई नहीं है। इसके पहले भी कई बार दोनों रेलखंडों पर पथराव से यात्री जख्मी हो चुके हैं। 12 अगस्त 16 को मौर्य एक्सप्रेस पर भगवानपुर में पथराव से अनूप कुमार नामक यात्री जख्मी हो गया था।

भागलपुर में डायन के आरोप में घर में लगाई आग, दो जिंदा जले

नवगछिया। भागलपुर के नवगछिया में डायन का आरोप लगाते हुए दबंगों ने एक घर में आग लगा दी। घर के अंदर सो रहे दादा और पोते जिंदा जल गए वहीं महिला बच गई।

घटना नवगछिया के श्रीपुर में शुक्रवार की रात की है। हादसे में दादा चन्द्र देव सिंह (55 वर्ष) और पोता संजीत कुमार पिता अमृत सिंह जिंदा जल गए। आग की लपटें इतनी तेज थी कि पल भर में दादा-पोता 85 फीसदी जल गए। आग में मच्छरदानी, बिछावन और तकिया जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों ने बालू डालकर आग को बुझाया। घटना की सूचना पर नवगछिया पुलिस ने घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। दादा-पोता का शरीर बुरी तरह झुलस गया था। अस्पताल में इलाज के बाद गंभीर अवस्था में दोनों को मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मायागंज में पोता संजीत की मौत हो गई, जबकि दादा की हालत नाजुक बताई जा रही है।

बाल-बाल बची महिला

दबंगों ने जिस महिला को जिंदा जलाने के लिए आग लगायी थी वह बाल-बाल बच गयी। दरवाजे पर रोजाना चन्द्रदेव के साथ उसकी पत्नी सोती थी। उस दिन संजीत का मामा अमित आया था। इस वजह से दादा-पोता के साथ अमित वहां सोया था। रात में सभी लोग चादर ओढ़कर सो रहे थे। कई दिनों से मौके की तलाश में रहे दबंगों ने केरोसिन के बोतल को फेंक कर आग लगा दी।

एसडीपीओ ने की लोगों से पूछताछ

घटना की सूचना के बाद एसडीपीओ मुकुल कुमार रंजन और इंस्पेक्टर संजय कुमार सुधांशु घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। पुलिस ने घटनास्थल से केरोसिन तेल की बोतल बरामद की। ऊपर बिजली जल रही थी और बगल में केरोसिन की बोतल भी टंगी थी। एसडीपीओ ने मिस्त्री से भी जानकारी ली तो मिस्त्री ने कहा कि बिजली से कुछ नहीं हुआ है। उन्होंने आसपास की महिलाओं से भी पूछताछ की लेकिन सबने घटना के कारणों के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं होने की बात बताई। एसडीपीओ ने चचेरे भाई चतुर्भुज की पत्नी से भी पूछताछ की। उसने कहा कि पीड़ित परिवार मजदूरी कर अपना भरण-पोषण करता है।

प्रेमी के साथ झाड़ियों में थी शादीशुदा महिला, कपड़े लेकर भाग गए लड़के

पटना. बिहार के गया जिले में एक लड़की का वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में प्रेमी और प्रेमिका एक दूसरे से मिलने के लिए सुनसान जगह झाड़ियों में घुसे हुए थे। इस दौरान कुछ लड़कों ने दोनों को झाड़ी में आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया और उनके कपड़े छीन लिए। इस दौरान लड़की लोगों से छोड़ने और कपड़े देने की गुहार लगाती रही। ऐसे में लोगों ने एक ना सुनी और पुलिस को बुला दिया। रोज मिलने के लिए आते थे...

वायरल वीडियो में पकड़े लोगों यह बोलते नजर आ रहे है कि दोनों इससे पहले भी मिलने के लिए यहां पर आते थे। कई बार दोनों को यहां पर देखा गया था। इसलिए इस बार देखने के बाद दोनों को पकड़ लिया गया। प्रेमिका शादीशुदा होने के बाद भी प्रेमी से मिलने के लिए चोरी छुपे घर से आ जाती थी। वीडियो में लड़की लोगों से उसके कपड़े देने की गुहार लगा रही है। वो ये भी कह रही है कि प्लीज पुलिस को नहीं बुलाएं। पुलिस के सामने ही लड़के गंदे कमेंट करते रहे। बाद में सिपाही दोनों को थाने ले गए।

भाजपा करने गई गार्डन का शिलान्यास , पास कार्यकर्त्ताओं ने मचाया बवाल ,पुलिस ने किया 40 को डीटेइन

सूरत। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से पहले मनपा में सत्ताधीश भाजपा ने रविवार 61 प्रकल्पों के शिलान्यास और उद्घाटन का कार्यक्रम रखा जिस का पास कार्यकर्ताओ ने विरोध कर बवाल मचा दिया। मोटा वराछा में प्रकल्पों के शिलान्यास के लिए पहुंचे मेयर और मनपा की टीम का पाटीदारो ने विरोध किया और कार्यक्रम स्थल पर हंगामा कर दिया। पास कार्यकर्ताओ ने सुचित प्रकल्प की बोर्ड तक तोड़ डाली और डे मेयर की गाड़ी का काच तोड़ दिया। कार्यक्रम स्थल पर पास कार्यकर्ताओ ने कुर्सियां भी तोड़ी और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की । पुलिस हंगामा करनेवाले 40 पास कार्यकर्त्ताओं को डीटेइन कर उमरा पुलिस ठाने ले गई जिन्हे देर शाम छोड़ दिया गया। पास कार्य कत्ताओं और भाजपा कार्यकर्त्ताओं के बीच हुए हंगामे में मनपा के भाजपा पार्षद धनजी चावड़ा को हाथ में चोट आयी जिन्हे प्राथमिक उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया।

वाह वाही बटोरने के चक्कर में विरोध का करना पड़ा सामना

स्वतंत्र राजस्थान संवाददाता, सूरत। मनपा के भाजपा शासको ने विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के ठीक पहले लोगो को लुभाने के लिए एक साथ एक ही दिन 61 प्रकल्पो के शिलान्यास और लोकार्पण के कार्यक्रम आयोजित किए थे। पाटीदार बाहुल्य क्षेत्रो में भी मनपा ने गार्डन ,कम्पाउंड वॉल ,वेजिटेबल मार्केट और पम्पिंग स्टेशन समेत कई प्रकल्पो के शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रम रखे थे। पाटीदार बाहुल्य इलाके में मनपा ने कार्यक्रम आयोजित कर पाटीदार वोटरों को लुभाने की कोशिश की मगर पूरा दाव उल्टा पड ग्या और विरोध का सामना करना पड़ा।

वराछा में पाटीदार हर बार कर रहे है विरोध ,भाजपा की हर कोशिश नाकाम

पाटीदार अपने इलाके में भाजपा के हर कार्यक्रम का विरोध कर रहे है। पिछले दिनों भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष ऋत्विज पटेल के युवा टंकार सम्मलेन का भी पास कार्यकर्ताओ ने विरोध किया था। बवाल इतना बढ़ा के इलाके में सूरत शहर के सभी थानों की पुलिस उतारनी पड़ी। दो बी आर टी एस बस भी जला दी गई। बवाल के बाद फिर एक बार भाजपा ने पाटीदार इलाके में युवा टंकार कार्यक्रम आयोजित किया वहां भी पास कार्यकर्ता पहुँच गए और विरोध करने लगे। आज फिर एक बार भाजपा को पाटीदारो के विरोध का सामना करना पड़ा।

पुलिस के सामने बैठ पास कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी

मोटा वराछा में मनपा के गार्डन शिलान्यास कार्यक्रम स्थल पर पहुँच पास कार्यकर्ताओ ने नारेबाजी की। कार्यक्रम स्थल पर कुंडली जमा कर बैठ गए और भाजपा सरकार को चोर कहने लगे। पुलिस की उपस्थिति में ही पुलिस के खिलाफ भी नारेबाजी करने लगे पास कार्यकर्ता इतने से ही नहीं रुके उन्होंने शिलान्यास की बोर्ड तोड़ दी ,कुर्सिया तोड़ी और डे मेयर की गाड़ी का कांच भी तोड़ दिया। जिसपर पुलिस ने 40 पास कार्यकर्ताओ को हिरासत में ले लिया। जिन्हे देर शाम छोड़ दिया गया।

उधना में चोकलेट डिस्ट्रीब्यूटर चाचा भतीजे पर हमला कर दो लाख की लूट से सनसनी

सूरत। उधना के बीआरसी मंदिर स्थित हर इच्छा इंडस्ट्रियल में रात में चॉकलेट के डिस्ट्रीब्यूटर चाचा व भतीजे सहित तीन लोगों पर चार से पांच बदमाशो ने अचनाक धावा बोलकर आखों मे मीर्च पावडर डालकर धारदार हथियार से हमला कर 2 लाख नगद की लूट कर फरार होने से पुलिस के नींद उड़ गई है। उधना पुलिस के अनुसार रिंगरोड स्थित बदरी मंजिल में मुस्तुफा हजुरी अपने परिवार का साथ रहकर उधना के बीआरसी गेट स्थित हरि इच्छा सोसायटी में अजब सेल्स के नाम से चोकलेट सहित का कारोबार करते है। रोज की तरह शनिवार की रात में मुस्तुफा हजुरी अपने भतीजे हातिम तथा कर्मचारी रमेश पटेल के साथ दुकान बंद कर घर जाने के लिए निकले थे । इसी दौरान हरि इच्छा सोसायटी में शिकार के इंतजार में बैठे पांच लुटेरो ने इनकी बाईक के आढ़े आकर इनके आंखों में मीर्ची पावडर डाल दी। ये लोग कुछ समझ पाते कि बदमाशों ने ऊन पर फटके से हमला कर दो लाख की नगद भरी बेग की लूट कर भागने लगे। इसी दौरान मुस्तुफा भाई ने एक लुटेरे को पकड़ लिया। यह देखकर साथी आरोपियों ने पीड़ित चाचा व भतीजे पर धारधार हथियार से हमला कर फरार हो गए। हादसे में घायल दोनों पीड़ितों को उपचार के लिये निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया । उधना पुलिस के अनुसार रिंगरोड स्थित बदरी मंजिल में मुस्तुफा हजुरी अपने परिवार का साथ रहकर उधना के बीआरसी गेट स्थित हरि इच्छा सोसायटी में अजब सेल्स के नाम से चोकलेट सहित का कारोबार करते है। रोज की तरह शनिवार की रात में मुस्तुफा हजुरी अपने भतीजे हातिम तथा कर्मचारी रमेश पटेल के साथ दुकान बंद कर घर जाने के लिए निकले थे । मामले की सूचना मिलते ही उधना थाना प्रभारी चेतन जादव सहित उच्च अधिकारियों का काफिला मौके पर आ पहुँचा। हादसे के चलते उधना पुलिस ने इरफान शेख की शिकायत पर लूट का मामला कर अग्रिम जांच शुरू की है ।

यूथ फार गुजरात के रक्तदान शिविर में युवाओं ने उत्साह पूर्वक किया रक्तदान

सूरत। दिवाली के समय में ज्यादातर लोगों के अवकाश पर प्रवास पर चले जाने से इन दिनों में होने वाले रक्त की कमी को देखते हुए रविवार को यूथ फार गुजरात के कार्यकर्त्ताओं ने रक्त दान शिविर का आयोजन किया। न्यू सिविल हास्पीटल कैम्पस में आयोजित इस शिविर में युवा कार्यकर्त्ताओं ने उत्साह पूर्वक रक्तदान किया।

उमरा में 80 हजार की लूट महिला के गलेसे सोने की चेन टूटी

सूरत। वेसु के वीआईपी रोड पर मोर्निंग वॉक कर रही एक महिला को बाइक्स गिरोह ने निशाना बनाकर गले मे झपट्टा मारकर सोने की 80 हजार की चेन चुराकर फरार हो गए । उमरा पुलिस के अनुसार वेसु के रत्न कंचन एपरमेन्ट निवासी कालिदुरे परमशिवम नाडर (50 वर्ष) व्यापारी है । रोज की तरह कालिदुरे की पत्नी पुष्पा बहन 14 अक्टूबर की सुबह घर से मोर्निंग वोक करने निकली थी इसी दौरान वेसु के वीआईपी रोड पर से गुजर रहे थे इसी दौरान एक बाइक पर सवार होकर आए बदमाशों ने पुष्पा बहन के गले मे झपट्टा मारकर 80 हजार की सोने की चेन की लूट कर फरार हो गए । हादसे के चलते पीड़िता की शिकायत पर उमरा

कोर्ट ने जैन मुनि को भेजा न्यायायिक हिरासत में

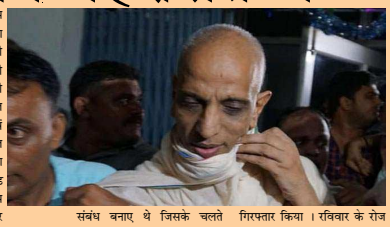

सूरत। जैन मुनि पर लगे दुष्कर्म के आरोप के बाद शहर के जैन समाज मे सनसनी फैल गई । जैन समाज ने मुनि पर लगे आरोपो को गलत बताया है और पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है । वहीं अठवा पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किए मुनि को कोर्ट में पेश किया गया । न्यायाधीश ने जैन मुनि को ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया ।

अठवालाइन्स पुलिस के अनुसार नानपुरा टीमलियावाड स्थित महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में रह रहे आचार्य शांति सागर महाराज पर वडोदरा निवासी युवती ने दुष्कर्म का आरोप लगया । मध्यप्रदेश की मूल निवासी तथा वडोदरा प्रवासी 19 वर्षीय युवती 1 अक्टूबर के रोज अपने माता पिता एवं भाई के साथ सूरत आई थी और नानपुरा के टीमलियावाड में स्थित उपाश्रय आचार्य शांति सागर महाराज से मुलाकात की। महाराज ने पीड़िता को आशीर्वाद के बहाने उसे एकांत में बुलाकर उसकी मरजीके विरुद्ध शरीरिक संबंध बनाए थे जिसके चलते पीड़िता ने अठवालाइन्स थाने में जैन मुनि के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया पुलिस ने मामला दर्ज कर जैन मुनि को गिरफ्तार किया । रविवार के रोज जैन मुनि को न्यायालय में उपस्थित किया गया जहां न्यायाधीश ने मुनि को ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया।

अंकलेश्वर में राहुल गांधी पर बरसे एमपी के सीएम शिवराजसिंह

भरुच (ईएमएस)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने आज कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी पर कड़े प्रहार किए और कहा कि जिसने कभी पूजा की थाली नहीं उठाई वह आज मंदिर जाकर तिलक कर रहा है। गुजरात विधानसभा चुनाव जैसे जैसे निकट आते जा रहे हैं, वैसे वैसे जुबानी जंग तेज होती जा रही है। खासकर भाजपा-कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला शुरू हो गया है। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी अब तक नवसर्जन गुजरात के तहत दो दफा राज्य का दौरा कर चुके हैं और इस दौरान उन्होंने भाजपा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पर प्रहार करने का एक भी मौका नहीं छोड़ा। दूसरी ओर भाजपा भी 15 दिन लंबी गौरव यात्रा में केन्द्रीय मंत्रियों समेत पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की फौज उतार दी है। 1 अक्टूबर से प्रारंभ हुई भाजपा की गौरव यात्रा में बीते दिन केन्द्रीय गृह मंत्री राजनाथसिंह और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया राज्य के विभिन्न हिस्सों मंन आयोजित रैली व कार्यक्रमों में शिरकत की। आज मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह ने कांग्रेस पर कड़े प्रहार किए। भरुच के अंकलेश्वर में गुजरात गौरव यात्रा में शिरकत करने पहुंचे शिवराजसिंह ने कहा कि जिसने कभी भी हाथ में पूजा की थाली नहीं उठाई, वह आज मंदिर मंदिर जाकर तिलक कर रहे हैं। कांग्रेस पर कड़े प्रहार करते हुए एमपी के सीएम ने कहा कि सरदार पटेल न होते तो कभी अखंड भारत का निर्माण नहीं होता। नेहरू ने जम्मू-कश्मीर मुद्दा अपने पास रखने के बजाए यदि सरदार पटेलको सौंप दिया होता तो आज हालात कुछ और होते।

मुख्यमंत्री आज अहमदाबाद में 775 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी 16 अक्टूबर को अहमदाबाद महानगर पालिका और ओढा क्षेत्र में 775 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। रूपाणी इस अवसर पर गुजरात राज्य वाहन परिवहन निगम की 40 नयी 40 बसों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना करवाएंगे। उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल, पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल और मंत्री शंकरभाई चौधरी की उपस्थिति में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अहमदाबाद महानगरपालिका के 155 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण, 439 करोड़ के कार्यों के भूमिपूजन करेंगे।

गुजरात चुनाव के मद्देननजर कांग्रेस का नया हैशटैग

'पागल विकास की आखिरी दिवाली' सोशल मीडिया में लोकप्रिय 'विकास पागल हो गया है' भी खूब चला था अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में विधानसभा चुनाव के नजदीक आने के साथ राजनीतिक सरगर्मी तेज होती जा रही है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों बड़ी पार्टियों के तेजतर्रार नेता इन दिनों लगातार गुजरात दौरे कर रहे हैं। अपने गुजरात दौरे के कुछ दिन बाद ही जहां मोदी सोमवार को फिर दौरे पर पहुंचे, तो दूसरी ओर कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के भी दिवाली के बाद एक और गुजरात दौर की सूचना है। राज्य में कांग्रेस दिन-ब-दिन बीजेपी पर हमलावर होती जा रही है। गुजरात चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने अपने पहले हैशटैग 'विकास गांडो थयो छे' (विकास पागल हो गया है) की सफलता के बाद मोदी के ताजा गुजरात दौरे से कुछ दिन पहले नया हैशटैग निकाला है। कांग्रेस का नया हैशटैग है 'गंडा विकास नी चेली दिवाली' (पागल विकास की आखिरी दिवाली)। कांग्रेस के दोनों हैशटैग सोशल मीडिया पर धूम मचा रहे हैं। बीजेपी से नाराज लोग और कांग्रेसी कार्यकर्ता सतारुढ़ दल पर निशाना साधने के लिए इसका जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं। दिवाली के बाद कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी एक बार फिर गुजरात का दौरा कर सकते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ दिल्ली में चुनाव की रणनीति बनाने में जुटे नेताओं ने कहा, हमने राहुल गांधी से निवेदन किया है कि एक नवंबर से वह गुजरात का तीन दिन का दौरा करें। राहुल गांधी से पहले दक्षिण गुजरात और फिर पीएम नरेंद्र मोदी के गढ़ उत्तर गुजरात में जाने का निवेदन किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले राहुल गांधी द्वारकाधीश के दर्शन करके चुनाव के प्रचार प्रसार का बिगुल सौराष्ट्र की भूमि से फूंक चुके हैं। इसके बाद उन्होंने मध्य गुजरात का तीन दिन का दौरा अभी हाल ही में किया। अपनी गुजरात नवसृजन यात्रा के दौरान नीले रंग की बस में बैठकर राहुल गांधी गुजरात के कोने-कोने में कांग्रेस की नीतियों का प्रचार कर रहे हैं और साथ ही साथ मोदी और भाजपा पर शब्दों से प्रहार भी कर रहे हैं।

चुनावी गहमागहमी के बीच प्रधानमंत्री फिर से पहुंचेंगे गुजरात

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात में चुनावी गहमागहमी के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर से अपने गृहराज्य के दौरे पर जा रहे हैं। उनका यह दौरा करीब चार सप्ताह में चौथी बार होगा। वह गांधीनगर जिले के भाट में सात लाख से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं के विशाल सम्मेलन को संबोधित करेंगे। मोदी फिर गुजरात के भावनगर जाएंगे और दक्षिण गुजरात के दहेज और सौराष्ट्र को घोघा से समुद्री मार्ग से जोडने वाली रो फैरी सर्विस का उद्घाटन करेंगे। जो वाहनों, माल और यात्रियों को इस पार से उस पार ले जाने का काम करती है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता भरत पंडया ने रविवार को बताया कि मोदी भाट में राज्य के सभी लगभग पचास हजार बूथों से जुड़े प्रमुखों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष अमित शाह और अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता भी उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री इस मंच से कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कर सकते हैं। गुजरात में विधानसभा के इस चुनावी साल में नरेंद्र मोदी का यह कुल मिलाकर आठवां दौरा होगा, जबकि प्रधानमंत्री बनने के बाद कुल मिला कर 18 वीं यात्रा होगी।

रेलवे स्टेशन पर लिफ्ट, एस्केलेटर और नए फुटओवर ब्रिज का शिलान्यास

राजकोट (ईएमएस)। शहर के रेलवे स्टेशन पर सांसद मोहनभाई कुंडिरया ने आज नई लिफ्ट, तीन एस्केलेटर, नए फुटओवर ब्रिज और दिव्यां, असहाय व निशक्त जनों की सुविधा के लिए रैम्प के निर्माण कार्यों की आधार शिलारखी। राजकोट स्टेशन पर आयोजित समारोह में सांसद कुंडारिया ने कहा कि स्टेशन पर लगाए जानेवाले एस्केलेटर, लिफ्ट एवं रैम्प का लाभ सभी यात्रियों को मिलेगा। खासकर दिव्यांगों, अशक्तजनों, बीमार एवं महिला यात्रियों को विशेष सुविधा होगी। राजकोट मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पीबी निनावे ने कहा कि प्लेटफार्म संख्या एक की ओर सकुलेटिंग एरिया में दो एस्केलेटर लगो जा रहे हैं, जो यात्रियों को चढ़ने एवं उतरने में मदद करेंगे। वहीं प्लेटफार्म दो व तीन पर एक एस्केलेटर रहेगा जो केवल प्लेटफार्म दो व तीन से एक की ओर जाने के लिए होगा। प्लेटफार्म संख्या 2 और 3 पर एक अतिरिक्त लिफ्ट का निर्माण जा रहा है, जिससे प्लेटफार्म एक की ओर से आनेवाले यात्री दो व तीन पर आसानी से उतर सकेंगे तथा प्लेटफार्म एक तथा दो व तीन पर रैम्प का भी निर्माण किया जा रहा है।

अपराध किया था राष्ट्रध्वज के अपमान का मामला वापस क्यों लिया

अहमदाबाद (ईएमएस)। पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) नेता हार्दिक पटेल ने गुजरात की भाजपा सरकार से सवाल किया है कि यदि उसने अपराध किया था तो राष्ट्रध्वज का मामला वापस क्यों ले लिया। गुजरात में भाजपा और कांग्रेस समेत राजनीतिक दल आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में व्यस्त हैं। ऐसे में पास नेता हार्दिक पटेल फिर एक बार आरक्षण को लेकर सक्रिय हो गए हैं। राजकोट में आयोजित जनसभा में हार्दिक पटेल ने भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार किए। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि सरकार पाटीदारों को आरक्षण नहीं देती तो आगामी चुनाव में उसे पाटीदारों के वोट नहीं मिलेंगे। गजरात सरकार की ओर से पाटीदारों को रिझाने के लिए उनके मुद्दों को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उसे लेकर पाटीदारों में असंतोष बरकरार है यह स्पष्ट हो चुका है। हाल ही में राज्य सरकार और पाटीदारों के बीच हुई बैठक में आरक्षण के मसले पर कोई ठोस फैसला नहीं किया गया। लेकिन पाटीदारों पर दर्ज मामले वापस लेने की मांग राज्य सरकार ने स्वीकार ली। सरकार की इस नीति पर प्रहार करते हुए हार्दिक पटेल ने एक ट्वीट किया है। ट्वीट में हार्दिक पटेल ने लिखा कि यदि उसने गुनाह किया था तो सरकार ने राष्ट्रध्वज के अपमान का मामला वापस क्यों लिया। गौरतलब है कि पाटीदारों पर केस वापस लेने के साथ ही हार्दिक पटेल पर दो साल पहले दर्ज राष्ट्रध्वज का मामला वापस लेने का

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्प्लेक्स सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तामीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com